>

Title: Need to establish Rajauli Nuclear Thermal Power Plant in Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, मैं आपके निर्देश के आलोक में सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। बिहार अपना शताब्दी वर्ष ज्योति पर्व के रूप में मना रहा है। वह विकास के क्षेत्र में पिछड़ने के कारण सदमे में है और वह सदमे से जल्दी निकलने के लिए दीक्षित बिहार की उपलब्धि हासिल करना चाहता है। बिहार में बिजली उत्पादन शून्य पर है। इसके सारे थर्मल पॉवर स्टेशंस झारखंड में चले गये। बिहार अंधेरे में है। उधार की बिजली रोशनी नहीं दे सकती। वह केवल रोशनी का भ्रम पैदा करती है। वर्ष 2017 तक बिहार अंधेरे में रहने के लिए विवश दिखाई पड़ता है। इसी संदर्भ में केन्द्र सरकार ने बिहार के नवादा जिले में रजौली का चयन वहां आणविक ताप विद्युत केन्द्र स्थापित करने के लिए किया है। रजौली विद्युत ताप केन्द्र स्थापित करने के मामले में बिहार सरकार ने राष्ट्रीय सलाहकार समिति की बैठक में कई बार अपनी ओर से आश्वस्त किया है कि आणविक विद्युत ताप केन्द्र स्थापित करने में पर्याप्त जल की सुविधा बिहार सरकार उपलब्ध कराएगी पर पता नहीं क्यों जब कभी भी बिहार के विकास का, कोल लिंकेज का अथवा रजौली आणविक ताप विद्युत केन्द्र स्थापना का प्रश्न उठता है, केन्द्र सरकार की नसें ढ़ीली पड़ जाती हैं। वह कोमा में चली जाती है। क्या बिहार भारत मां के जिस्म का हिस्सा नहीं है, क्या उसने देश की आजादी के संघर्ष में व राष्ट्रीय विकास में अपनी भूमिका नहीं निभाई? बिहार के साथ क्या केन्द्र अपनी संस्कृति और संस्कार को भूल बैठा है। मैं बिहार की जनता की ओर से केन्द्र सरकार से अपेक्षा करता हूं कि जो उसने राष्ट्र के सामने रजौली को आणविक ताप विद्युत केन्द्र स्थापित करने के लिए वचन दिया है, उसकी अस्मिता की रक्षा आणविक ताप विद्युत केन्द्र स्थापित करके करे और यह अवश्य याद रखना चाहिए कि बिहार के विकास के बिना राष्ट्र के विकास की कल्पना अधूरी है। मैं सदन के माध्यम से इस ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।